Roll No. .....

E–3072

M. Com. (Previous) EXAMINATION, 2021

(Compulsory)

Paper Second

ADVANCED ACCOUNTING

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. *One* question from each Unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई—1

(UNIT—1)

1. 'आर' लिमिटेड का निर्माण 'के' लिमिटेड को क्रय करने हेतु किया गया और पंजीयन ₹ 4,00,000 की अधिकृत पूँजी से हुआ जो ₹ 100 वाले 4000 समता अंशों में विभाजित थी। विक्रेता को 2000 पूर्णदत्त अंश क्रय

प्रतिफल के हिस्से के भुगतान में दे दिए। शेष 2000 अंश ₹ 5 प्रति अंश प्रीमियम पर जनता को प्रस्तावित किए गए जिन पर भुगतान इस प्रकार देय था :

₹ 10 आवेदन पर, ₹ 25 आबंटन पर (प्रीमियम सहित), ₹ 40 प्रथम याचना पर और ₹ 30 अंतिम याचना पर।

1800 अंशों के लिए प्रार्थना-पत्र आए जिनका आबंटन कर दिया गया और आबंटन की राशि यथासमय प्राप्त हो गई है। प्रथम याचना के समय, एक अंशधारी, जिसके पास 200 अंश थे, प्रथम याचना की राशि नहीं दे पाया और उसके अंशों का हरण कर लिया गया। इन अंशों को ₹ 70 चुकता मानते हुए ₹ 60 पर पुनर्निर्गमित कर दिया। अंतिम याचना नहीं माँगी गई है।

आप (i) उपर्युक्त लेन-दोनों के लेखे के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा (ii) कम्पनी के स्थिति विवरण की स्थिति दिखाइए।

'R' Ltd. was formed for the purpose of purchasing 'K' Ltd. and was registered with a nominal capital of ₹ 4,00,000 divided into 4000 equity shares of ₹ 100 each. 2000 shares were issued as fully paid to the venders in part payment of purchase consideration. The remaining 2000 shares were offered for public subscription at a premium of ₹ 5 per share,

payable as follows :

₹ 10 on application, ₹ 25 on allotment (including premium), ₹ 40 on first call and ₹ 30 on final call.

Applications were received for 1800 shares which were duly allotted and the allotment money was duly received. At the time of first call, a shareholder who held 200 shares failed to pay the first call money and his shares were forfeited. These shares were reissued at ₹ 60 per share, ₹ 70 per share paid up. Final call has not been made. You are required to give (i) necessary journal entries and (ii) show the balance sheet of the company.

अथवा

(*Or*)

ऋणपत्रों के शोधन से क्या आशय है ? ऋणपत्रों के शोधन के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए।

What is meant by redemption of debentures ? Explain the various methods of redemption of debentures.

इकाई—2

(UNIT—2)

2. 31 मार्च, 2018 को राजुल लि. और राहुल लि. एकीकरण करने के लिए सहमत हुए और एक नई कम्पनी रोहित लि. का गठन किया। 31 मार्च, 2018 को राजुल लि. और राहुल लि. के चिट्ठे अग्र प्रकार हैं :

विवरण	राजुल लि. (₹)	राहुल लि. (₹)
I. समता एवं दायित्व :		
अंशधारी कोष :		
अंश पूँजी :		
समता अंश पूँजी प्रत्येक ₹ 10 का	2,00,000	1,60,000
संचय एवं आधिक्य :		
सामान्य संचय	20,000	30,000
लाभ-हानि विवरण	4,000	10,000
चालू दायित्व :		
व्यापारिक देयताएँ	6,000	2,000
	2,30,000	2,02,000
II. सम्पत्तियाँ		
गैर-चालू सम्पत्तियाँ :		
स्थायी सम्पत्तियाँ :		
मूर्त सम्पत्तियाँ :		
भूमि एवं भवन	1,00,000	90,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी	48,000	38,000

अमूर्त सम्पत्तियाँ :		
पेटेण्ट	5,000	4,000
चालू सम्पत्तियाँ :		
स्टॉक	28,000	30,000
व्यापारिक प्राप्तियाँ :		
देनदार	36,000	32,000
प्राप्य विपत्र	4,000	4,000
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य	9,000	4,000
	2,30,000	2,02,000

31 मार्च, 2018 को राजुल लि. और राहुल लि. का विलय रोहित लि. में निम्नांकित शर्तों पर हुआ :

(i) रोहित लि. द्वारा राजुल लि. और राहुल लि. की सभी सम्पत्तियों एवं दायित्वों को उनके विद्यमान मूल्य पर लिया जाएगा।

(ii) क्रय प्रतिफल का निर्धारण शुद्ध सम्पत्ति विधि द्वारा किया जाएगा।

(iii) क्रय प्रतिफल का भुगतान रोहित लि. द्वारा अपने ₹ 10 वाले समता अंशों का सममूल्य पर निर्गमन कर दिया जाएगा।

आप रोहित लि. की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए एवं विलय के स्वभाव के एकीकरण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

On 31st March, 2018 Rajul Ltd. and Rahul Ltd. are agreed to amalgamate and from a new company called as Rohit Ltd. The following are the balance sheets of Rajul Ltd. and Rahul Ltd. as on 31st March, 2018 :

Particulars	Rajul Ltd. (₹)	Rahul Ltd. (₹)
I. Equity and Liabilities :		
Shareholder's Fund :		
Share Capital :		
Equity share capital of ₹ 10 each	2,00,000	1,60,000
Reserve and Surplus :		
General Reserve	20,000	30,000
Statement of Profit & Loss	4,000	10,000
Current Liabilities :		
Trade payables	6,000	2,000
	2,30,000	2,02,000
II. Assets :		
Non-current Assets :		
Fixed Assets :		
Tangible Assets :		
Land and Building	1,00,000	90,000

Plant and Machinery	48,000	38,000
Intangible Assets :		
Patent	5,000	4,000
Current Assets :		
Stock	28,000	30,000
Trade receivables :		
Debtors	36,000	32,000
Bills receivable	4,000	4,000
Cash and Cash equivalent	9,000	4,000
	2,30,000	2,02,000

On 31st March, 2018 Rajul Ltd. and Rahul Ltd. merged into Rohit Ltd. on the following terms :

(i) Rohit Ltd. will take over all the assets and liabilities of Rajul Ltd. and Rahul Ltd. at their existing value.

(ii) Purchase consideration will be determined by net assets value method.

(iii) The consideration to be discharged by the Rohit Ltd. in the form of its fully paid equity shares @ ₹ 10 each at par.

You are required to pass the necessary journal entries and prepare a Balance Sheet in the books of Rohit Ltd. after the amalgamation in the nature of merger.

अथवा

(*Or*)

आन्तरिक पुनर्निर्माण क्या है ? आन्तरिक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को संक्षिप्त में समझाइए।

What is Internal Reconstruction ? Explain in brief the process of internal reconstruction.

इकाई—3

(UNIT—3)

3. 'H' और 'S' लि. का 31 मार्च, 2018 को निम्नांकित चिट्ठा था :

विवरण	**'H'** लि. **(₹)**	**'S'** लि. **(₹)**
I. समता एवं दायित्व :		
अंशधारी कोष :		
अंश पूँजी ₹ 100 वाले अंशों में	2,00,000	50,000
संचय एवं आधिक्य :		
सामान्य संचय	30,000	10,000
लाभ-हानि विवरण :		
1-4-2017 को बाकी	40,000	20,000
2017-18 के लाभ	50,000	25,000

चालू दायित्व :		
व्यापारिक दायित्व :		
लेनदार	50,000	30,000
देय बिल	15,000	—
	3,85,000	1,35,000
II. सम्पत्तियाँ		
गैर-चालू सम्पत्तियाँ :		
स्थायी सम्पत्तियाँ :		
मूर्त सम्पत्तियाँ :		
भूमि एवं भवन	60,000	—
प्लाण्ट एवं मशीनरी	2,00,000	—
S लि. में 300 अंश लागत पर	65,000	—
चालू सम्पत्तियाँ :		
रहतिया	40,000	85,000
व्यापारिक प्राप्य :		
कुल देनदार	10,000	30,000
प्राप्य बिल	—	10,000
रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य	10,000	10,000
	3,85,000	1,35,000

1 अक्टूबर, 2017 को 'H' लि. ने अंश प्राप्त किये। S लि. के पास जो प्राप्य बिल हैं वे सब 'H' लि. द्वारा स्वीकार किये गये हैं। 'S' लि. के देनदारों में ₹ 6,000 'H' लि. द्वारा देय शामिल हैं क्योंकि इन्हें माल भेजा गया था। समेकित चिट्ठा बनाइये, यह मानते हुए कि 'S' लि. का सम्पूर्ण संचय 'S' लि. के अंश क्रय करने से पूर्व का है।

The Balance Sheets of 'H' Ltd. and 'S' Ltd. as at 31-3-2018 were as under :

Particulars	**'H' Ltd. (₹)**	**'S' Ltd. (₹)**
I. Equity and Liabilities		
Shareholder's fund :		
Share capital in shares of ₹ 100 each	2,00,000	50,000
Reserves and Surplus :		
General Reserve	30,000	10,000
Statement of P & L :		
Balance on 1-4-2017	40,000	20,000
Profit for 2017-18	50,000	25,000
Current Liabilities :		
Trade Payables :		
Creditors	50,000	30,000
Bills Payable	15,000	—
	3,85,000	1,35,000

II. Assets :		
Non-Current Assets :		
Fixed Assets :		
Tangible Assets :		
Land and Building	60,000	—
Plant and Machinery	2,00,000	—
300 Shares in S Ltd. at cost	65,000	—
Current Assets :		
Stocks	40,000	85,000
Trade Receivables :		
Sundry Debtors	10,000	30,000
Bills Receivable	—	10,000
Cash and Cash equivalents	10,000	10,000
	3,85,000	1,35,000

Shares were acquired by 'H' Ltd. on 1st October, 2017. Bills receivable held by 'S' Ltd. are accepted by 'H' Ltd. Included in the debtors of 'S' Ltd. is ₹ 6,000 owing by 'H' Ltd. in respect of goods supplied. Prepare consolidated Balance Sheet assuming that the reserve of 'S' Ltd. is for the pre-acquisition period.

अथवा

(*Or*)

(अ) अवस्था विकरण के साथ लगाई जाने वाली विभिन्न अनुसूचियों की व्याख्या कीजिए।

Explain the various lists to be enclosed with the statement of affairs.

(ब) विभिन्न प्रकार के अंशधारियों की पूँजी की वापसी के सम्बन्ध में क्या नियम हैं ?

What are the rules regarding the refund of capital to various classes of shareholders ?

इकाई—4

(UNIT—4)

4. द्वि-लेखा पद्धति के अन्तर्गत चिट्ठा कैसे तैयार किया जाता है, समझाइए।

Explain how a balance sheet is prepared under the Double Account System.

अथवा

(*Or*)

अग्रांकित सूचनाएँ यूको बैंक की पुस्तकों से 31 मार्च, 2018 को ली गई हैं :

	₹
निक्षेपों पर ब्याज दिया	30,45,000
ब्याज और कटौती प्राप्त की	50,06,000
कमीशन, विनिमय और दलाली	3,50,000
किराया प्राप्त किया	80,000
विनियोगों की बिक्री पर लाभ	3,50,000
वेतन एवं भत्ते	3,00,000
संचालकों की फीस एवं भत्ते	45,000
किराया और कर दिया	1,50,000
डाक एवं तार	75,000
बैंक की सम्पत्ति पर ह्रास	45,000
लेखन सामग्री आदि	75,000
प्रारम्भिक व्यय	22,000
अंकेक्षण फीस	7,500

निम्नांकित सूचनाएँ और दी गई :

(i) एग ग्राहक, जिसको ₹ 17,00,000 अग्रिम के रूप में दिये गये थे, दिवालिया हो गया है और यह आशा की जाती है कि उसकी रियासत से 50% ही प्राप्त हो सकेगा।

(ii) अन्य ऋण भी थे जिनके लिए ₹ 1,50,000 की व्यवस्था करना अंकेक्षकों ने आवश्यक समझा।

(iii) 31 मार्च, 2017 को भुनाये हुए बिलों पर असमाप्त कटौती ₹ 18,000 थी। 31 मार्च, 2018 को भुनाये हुए बिलों पर असमाप्त कटौती ₹ 24,000 थी।

(iv) आयकर के ₹ 10,00,000 का प्रावधान कीजिए।

(v) सभी प्रारम्भिक व्यय अपलिखित कीजिए।

विधान के अनुसार नये प्रारूप में लाभ-हानि खाता बनाइये।

The following figures are extracted from the books of the UCO Bank as on 31st March, 2018 :

	₹
Interest paid on deposits	30,45,000
Interest and discount received	50,06,000
Commission, exchange and brokerage	3,50,000
Rent received	80,000
Profit on sale of investments	3,50,000
Salaries and allowances	3,00,000
Director's fees and allowances	45,000
Rent and taxes paid	1,50,000
Postage and telegrams	75,000
Depreciations of Bank's properties	45,000
Stationery etc.	75,000
Preliminary exp.	22,000
Audit Fees	7,500

The following further information is given :

(i) A customer to whom a sum of ₹ 17,00,000 has been advanced has become insolvent and it is expected that only 50% can be recovered from this estate.

(ii) There were also other debts for which a provision of ₹ 1,50,000 was found necessary by the auditors.

(iii) Rebate on bills discounted on as on 31st March, 2017 ₹ 18,000; rebate on bills discounted as on 31st March, 2018 ₹ 24,000.

(iv) Provide ₹ 10,00,000 for income tax.

(v) Write off all the preliminary expenses.

Prepare Profit and Loss Account of the bank as per new format.

इकाई—5

(UNIT—5)

5. 1 अप्रैल, 2017 को रमेश एण्ड कं. के पास ₹ 1,50,000 के 4% सरकारी बॉण्ड थे जो उन्होंने ₹ 1,64,125 में खरीदे थे, जिन पर 15 जून और 15 दिसम्बर को ब्याज मिलता है (अर्द्ध-वार्षिक)। 1 जून, 2017 को आधे विनियोग ₹ 54,120 में ब्याज रहित बेचे गये।

रमेश एण्ड कं. की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ एवं आवश्यक लेखे दीजिए।

On 1st April, 2017 Ramesh & Co. had 4% Govt. bonds of ₹ 1,50,000, which were purchased for ₹ 1,64,125. The interest is paid on 15th June and 15th December (half-yearly). On 1st June, 2017 half of the investment was sold for

₹ 54,120 (ex-interest.)

Give journal and ledger entries in Ramesh & Co's books.

अथवा

(*Or*)

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) ब्याज सहित एवं ब्याज रहित विनियोग 5

(ii) उपार्जित ब्याज उदाहरण सहित 3

(iii) न्यूनतम किराया 3

(iv) अधिकार शुल्क के सम्बन्ध में पट्टादाता की पंजी में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ दीजिए। 9

Write short notes on the following :

(i) Com-interest and ex-interest investment

(ii) Accrued interest with example

(iii) Minimum rent

(iv) Give necessary entries in the journal of landlord in connection with loyalty.